PAPER-III
ANTHROPOLOGY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________

(In words)

D 0 7 1 1

Time : **2 $^1/_2$** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

ANTHROPOLOGY
मानव विज्ञान

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I

खण्ड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Discuss the relevance of anthropology in human development.
   मानवीय विकास में मानवविज्ञान की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिये ।

   OR / अथवा

   Anthropology follows holistic approach. Discuss
   "मानवविज्ञान सम्पूर्ण उपागम का अनुपालन करता है ।" विवेचना कीजिये ।

   OR / अथवा

   Discuss the relevance of environment in anthropological studies.
   मानवविज्ञानीय अध्ययनों में पर्यावरण की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिये ।

2. Describe the importance of anthropology in present day scenario.
वर्तमान समय की स्थिति में मानवविज्ञान के महत्त्व का वर्णन कीजिये ।

OR / अथवा

Describe the relationship of anthropology and ecology from prehistoric time to till date.
प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मानवविज्ञान तथा पारिस्थितिकीविज्ञान के सम्बन्ध का वर्णन कीजिये ।

OR / अथवा

Man is adapted to different environmental zones. Discuss.
"मानव भिन्न पर्यावरणीय क्षेत्रों के प्रति ग्राह्य (अनुकूलित) हो गया है ।" विवेचना कीजिये ।

SECTION – II
खण्ड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only **one** elective/specialization and answer all the **three** questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / ऐच्छिक – I

Physical anthropology
शारीरिक मानवविज्ञान

3. Explain the different phases of human growth.
मानव संवृद्धि के भिन्न चरणों की व्याख्या कीजिये ।

4. Give the physical characteristics and phytogenetic position of Ramapithecus.
रामापिथेकस के शारीरिक लक्षण तथा जातिवृत्तिक स्थिति बताइये ।

5. Discuss the role of dermatoglyphies in personal identification.
व्यक्तिगत पहचान में त्वचा रेखिकीय विज्ञान की भूमिका की विवेचना कीजिये ।

Elective – II / ऐच्छिक – II
Social-Cultural anthropology
सामाजिक-सांस्कृतिक मानवविज्ञान

3. Examine the contribution of neo evolutionists.
नव उद्विकासवादियों के योगदान की परीक्षा कीजिये ।

4. Discuss the contribution of Robert Redfield to anthropology.
मानवविज्ञान में रॉबर्ट रेडफील्ड के योगदान की विवेचना कीजिये ।

5. Discuss the role of anthropology in rural development.
ग्रामीण विकास में मानवविज्ञान की भूमिका की विवेचना कीजिये ।

Elective – III / ऐच्छिक – III
Prehistoric anthropology
प्रागैतिहासिक मानवविज्ञान

3. Describe in brief the principles of radio carbon method of dating.
काल निर्धारण की रेडियो कार्बन विधि के सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिये ।

4. What do you understand by the term Acheulian ? Describe any one Acheulian culture of India with reference to geochronology.
'एश्चुलियन' शब्द से आप क्या समझते हैं ? भूकालक्रम के सन्दर्भ में भारत की किसी एक एश्चुलियन संस्कृति का वर्णन कीजिये ।

5. Discuss the importance of Ganga Valley for the development of Neolithic culture in India.
भारत में नवपाषाण युगीय संस्कृति के विकास हेतु गंगा घाटी के महत्त्व की विवेचना कीजिये ।

SECTION – III
खण्ड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Hardy – weinberg law.
   हार्डी वाइनबर्ग नियम

7. Differences between the skull of Gorilla and man.
   गोरिल्ला तथा मानव की खोपड़ी के बीच अन्तर ।

8. Social behaviour of baboons.

बबूनों का सामाजिक व्यवहार ।

9. Cultural relativism.
सांस्कृतिक सापेक्षवाद ।

10. Method of cross – cultural comparisons.
अंत: सांस्कृतिक तुलनाओं की विधि ।

11. City as a source of change.
परिवर्तन के स्रोत के रूप में शहर ।

12. Techniques used by early man for making paleolithic tools.

पुरापाषाण युगीय उपकरण बनाने के लिये आदि मानव द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकें ।

13. Relevance of dating in pre history.

प्रागैतिहास में काल निर्धारण की प्रासंगिकता ।

14. Importance of geology for the study of prehistoric anthropology.
प्रगैतिहासिक मानवविज्ञान के अध्ययन के लिये भूविज्ञान का महत्त्व ।

SECTION – IV
खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Read the following passage and answer the questions (**15** – **19**) that follow used on your understanding of the same.

Many anthropologists take the view that religions are adaptive because they reduce the anxieties and uncertainties that afflict all peoples. We do not really know that religion is the only means of reducing anxiety and uncertainty, or even that individuals or societies *have* to reduce their anxiety and uncertainty. Still, it seems likely that certain religious beliefs and practices have directly adaptive consequences. For example, the Hindu belief in the sacred cow has seemed to many to be the very opposite of a useful or adaptive custom. Their religion does not permit Hindus to slaughter cows. Why do the Hindus retain such a belief ? Why do they allow all those cows to wander around freely, defecating all over the place, and not slaughter any of them ? The contrast with our own use of cows could hardly be greater.

Marvin Harris suggested that the Hindu use of cows may have beneficial consequences that some other use of cows would not have. Harris pointed out that there may be a sound economic reason for not slaughtering cattle in India. The cows, and the males they produce, provide resources that could not easily be gotten otherwise. At the same time, their wandering around to forage is no strain on the food–producing economy.

The resources provided by the cows are varied. First, a team of oxen and a plow are essential for the many small farms in India. The Indians could produce oxen with fewer cows, but to do so they would have to devote some of their food production to the feeding of those cows. In the present system, they do not feed the cows, and even though poor nutrition makes the cows relatively infertile, males, which are castrated to make oxen, are still produced at no cost to the economy. Second, cow dung is essential as a cooking fuel and fertilizer. The National Council of Applied Economic Research estimated that an amount of dung equivalent to 45 million tons of coal is burned annually. Moreover, it is delivered practically to the door each day at no cost. Alternative sources of fuel, such as wood, are scarce or costly. In addition, about 340 million tons of dung are used as manure–essential in a country obliged to derive three harvests a year from its intensively cultivated land. Third, although Hindus do not eat beef, cattle that die naturally or are butchered by non–Hindus are eaten by the lower castes, who, without the upper–caste taboo against

eating beef, might not get this needed protein. Fourth, the hides and horns of the cattle that die are used in India's enormous leather industry. Therefore, because the cows do not themselves consume resources needed by people and it would be impossible to provide traction, fuel, and fertilizer as cheaply by other means, the taboo against slaughtering cattle may be very adaptive.

The long history of religion includes periods of strong resistance to change as well as periods of radical change. Anthropologists have been especially interested in the founding of new religions or sects. The appearance of new religions is one of the things that may happen when cultures are disrupted by contact with dominant societies. Various terms have been suggested for these religious movements–cargo cults, nativistic movements, messianic movements, millenarian cults. Wallace suggested that they are all examples of **revitalization movements,** efforts to save a culture by infusing it with a new purpose and new life. We turn to examples of such movements from North America and Melanesia.

नीचे दिया गया परिच्छेद पढ़िये और अपनी अवधारणा के आधार पर निम्नलिखित (15-19) प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

बहुत से मानव विज्ञानियों का यह विचार है कि धर्म ग्राह्य (अनुकूली) होते हैं क्योंकि वे लोगों को परेशान कर देने वाली चिन्ताओं तथा अनिश्चितताओं को कम करते हैं । हम वास्तव में यह नहीं जानते हैं कि धर्म चिन्ता और अनिश्चितता को कम करने का एक मात्र साधन है, या यह भी कि व्यक्ति अथवा समाजों को अपनी चिन्ता तथा अनिश्चितता को कम करना है । फिर भी, यह संभावित लगता है कि कुछ धार्मिक धारणाओं और प्रथाओं के सीधे ग्राह्य (अनुकूली) परिणाम होते हैं । उदाहरण के लिये, पवित्र गाय में हिन्दू धारणा, बहुत से लोगों को लाभप्रद अथवा ग्राह्य (अनुकूली) प्रथा की बहुत उल्टा प्रतीत हुई है । उनका धर्म हिन्दूओं को गायों का वध करने की अनुमति नहीं देता है । हिन्दूओं की ऐसी धारणा क्यों चली आ रही है ? क्यों वे उन सब गायों को स्वच्छंद रूप से विचरने तथा सब ओर गोबर करने की अनुमति देते हैं, और उनमें से एक का भी वध नहीं करते हैं ? गायों के हमारे अपने उपयोग के साथ भेद ज्यादा बड़ा नहीं हो सकता है ।

मार्विन हैरिस ने बताया है कि गायों के हिन्दू उपयोग के लाभदायक परिणाम हो सकते हैं जो कि गायों के अन्य किसी उपयोग से नहीं होंगे । हैरिस ने बताया है कि भारत में पशुओं का वध नहीं करने का ठोस आर्थिक कारण हो सकता है । गाय, जो वे बैल उत्पन्न करती हैं, संसाधन प्रदान करते हैं जो कि अन्यथा आसानी से नहीं मिल सकते हैं । इसके साथ ही, चारे के लिये उनका विचरना खाद्यान्न उत्पादन करने वाली अर्थव्यवस्था के लिये कोई भार नहीं है ।

गायों द्वारा प्रदान किये जाने वाले संसाधन विविध हैं । पहला, भारत में बहुत से छोटे खेतों के लिये गाय-बैल तथा हल की टीम अनिवार्य होती है । भारतीय कम गायों के साथ गाय-बैल उत्पन्न कर सकते हैं, परन्तु ऐसा करने के लिये उन्हें अपने खाद्यान्न उत्पादन का कुछ भाग उन गायों को खिलाने के लिये देना पड़ेगा । वर्तमान व्यवस्था में, वे गायों को खाद्यान्न नहीं खिलाते हैं, और यद्यपि कम पोषण, गायों को तुलनात्मक रूप से बांझ बना देता है, बैल जिनका हल चलाने के लिये बधियाकरण किया जाता है, अभी भी उत्पन्न किये जाते हैं और अर्थव्यवस्था पर लागत का भार नहीं पड़ता है । दूसरा, गाय का गोबर रसोई ईंधन तथा उर्वरक के रूप में अनिवार्य होता है । नेशनल काऊंसिल ऑफ एपलाइड इकोनोमिक रिसर्च ने अनुमान लगाया है कि 45 मिलियन टन कोयले के बराबर गोबर प्रतिवर्ष जलाया जाता है । इसके अतिरिक्त यह प्रत्येक दिन बिना लागत के घर के दरवाजे पर मिल जाता है । ईंधन के वैकल्पिक स्रोत, जैसे कि लकड़ी, दुर्लभ तथा महंगा है । इसके अतिरिक्त 340 मिलियन टन गोबर खाद के रूप में उपयोग किया जाता है । यह इस देश के लिये अनिवार्य है, क्योंकि उसे गहन खेती के खेत से तीन फसलें लेनी पड़ती है । तीसरा, यद्यपि हिन्दू सुअर का मांस नहीं खाते हैं, नीची जाति के लोग स्वभाविक तौर पर मरे पशु या जो गैर-हिन्दूओं द्वारा मारे गये हैं को खाते हैं । सुअर का मांस खाने के विरुद्ध उच्च जाति के निषेद्ध के बिना यह आवश्यक प्रोटीन शायद वे लोग न पा सकते । चौथा, मृत पशुओं की खाल तथा सींगों का भारत के चमड़ा उद्योग में अत्याधिक उपयोग किया जाता है । इसलिये, क्योंकि गाय स्वयं लोगों के लिये आवश्यक संसाधनों का उपयोग नहीं करती हैं और अन्य

साधनों द्वारा ट्रेक्शन, ईंधन तथा खाद उतना ही सस्ता प्रदान करना असम्भव है, पशुओं के वध के विरुद्ध निषेध बहुत अनुकूली हो सकता है ।

धर्म के लम्बे इतिहास में परिवर्तन के प्रति शक्तिशाली विरोध और साथ ही आमूल परिवर्तन के काल समाविष्ट हैं । मानव विज्ञानी नूतन धर्म अथवा सम्प्रदायों की स्थापना करने में विशेष दिलचस्पी लेते रहे हैं । नूतन धर्म का आविर्भाव एक ऐसी घटना है जो उस समय घट सकती है जब, प्रबल समाजों के साथ सम्पर्क से संस्कृति विघटित हो जाती है । इन धार्मिक आन्दोलनों के लिये विभिन्न शब्दों – कार्गो कल्ट (माल पंथ) साहजात्य आन्दोलन, मसीही आन्दोलन, मिलेनेरियन पंथ का सुझाव दिया गया है । वॉलेस ने बताया है कि यह सभी 'पुन:जीवन संचारण आन्दोलन' के उदाहरण हैं, नव उद्देश्य तथा नव जीवन के साथ संस्कृति को आनुप्राणित करके उसे बचाने की कोशिशें हैं । ऐसे आन्दोलनों के उदाहरण हमें उत्तरी अमेरिका तथा मेलनेशिया से मिलते हैं ।

15. Under what circumstances new religions/religious sects appear ?
किन परिस्थितियों में नूतन धर्म / धार्मिक पंथों का आविर्भाव होता है ?

16. How the taboo against slaughtering of cows may be viewed as adaptive behaviour ?
गायों के वध के विरुद्ध निषेद्ध किस प्रकार अनुकूली व्यवहार के रूप में देखा जा सकता है ?

17. Can there be any economic benefits of religious beliefs ?

धार्मिक धारणाओं के क्या कोई आर्थिक लाभ हो सकते हैं ?

18. What is the traditional view of classical anthropologists on uses of religion ?

धर्म के उपयोग / लाभ के बारे में क्लासीकीय मानवविज्ञानियों का पारम्परिक दृष्टिकोण क्या है ?

19. What relation can you see between fertilizer and coal from the above passage ?
उपर्युक्त परिच्छेद से आप उर्वरक तथा कोयले के बीच क्या सम्बन्ध देख सकते हैं ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....